रानी मां गाइडिन्ल्यू की जन्मशती समारोह के अवसर पर 28 दिसम्बर, 2014 को गुवाहाटी, असम में आयोजित महिला सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

अपने समय की एक अति सम्माननीय नेता रानी मां गाइडिन्ल्यू की जन्मशती मनाने हेतु आयोजित आज इस विशाल महिला सम्मेलन में आप सबके बीच आकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं आप सबका धन्यवाद करती हूं। मैं रानी मां को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं जिन्होंने न केवल हमारे स्वाधीनता आंदोलन में बल्कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के उत्थान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं का यहां आना रानी मां की लोकप्रियता और इस क्षेत्र के कल्याण के लिए उनके योगदान का परिचायक है।

विशाल ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे स्थित देवी मां कामाख्या की गृहनगरी असम विशेषकर राजधानी गुवाहाटी आने पर मुझे अत्यधिक खुशी होती है। अपने ताजगी भरे चाय बागानों और दुर्लभ जीव-जन्तुओं के लिए विख्यात असम एक समृद्ध जैव विविधता और प्राकृतिक सुन्दरता वाला राज्य है। मैं असम के लोगों के प्रेम और स्नेह से अभिभूत हूं। हालांकि यह क्षेत्र भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित है फिर भी इस क्षेत्र के लोगों द्वारा संजोई गई अपनी समृद्ध परम्परा और स्वदेशी संस्कृति के कारण इस क्षेत्र का हमारे देश के सामाजिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक विशेष और अनूठा स्थान है।

आज का यह 'महिला सम्मेलन' रानी गाइडिन्ल्यू की याद में आयोजित किया गया है। मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि जेलियंगरोंग हरेका एसोसिएशन रानी गाइडिन्ल्यू के विचारों, सुधार कार्यों, योगदान और उनके बलिदानों को लोकप्रिय बनाने का काम कर रहा है। उन्होंने जीवनभर न केवल भारत में ब्रिटिश शासन का पुरज़ोर विरोध किया अपितु लोगों के कल्याण के लिए भी लगातार काम किया। रानी गाइडिन्ल्यू ने जेलियंगरोंग नागा समुदाय की संस्कृति, परम्पराओं और संस्थाओं के संरक्षण, उसे आगे बढ़ाने और उसे संजोए रखने के लिए संघर्ष किया। मेरा यह मानना है कि हमारी अपनी संस्कृति, विचार, परम्पराएं और सामाजिक संस्थाएं हमें पहचान देती हैं और अपनी पहचान को बचाना हमारा अधिकार है। आज मैं उस महान नेता, जो अपने समुदाय की अस्मिता के संरक्षण और उत्थान हेतु हमेशा कोशिश करती रहीं, की जन्मशती समारोह में आकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं।

मुझे बताया गया है कि रानी मां के जन्मशती समारोह को सफल बनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रानी गाइडिन्ल्यू पर स्मारिका का प्रकाशन; स्मृति व्याख्यान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विशाल महिला सम्मेलन आयोजित करने और विभिन्न स्थानों पर रानी मां गाइडिन्ल्यू की प्रतिमाएं लगाने जैसे कार्यक्रम सराहनीय हैं क्योंकि ऐसे प्रयासों से रानी मां के महान् बलिदानों से जन-जन को अवगत कराने में सहायता मिलेगी। मेरा यह मानना है कि रानी गाइडिन्ल्यू के जन्मशती समारोह को इतने विशाल पैमाने पर मनाना उनके योगदान और बलिदान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

हमारे देश और विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र की महान वीरांगना रानी गाइडिन्ल्यू अपने ओजस्वी, बहुमुखी और ईमानदार व्यक्तित्व के लिए विख्यात हैं। समाज के प्रति उनकी नःस्वार्थ सेवा, स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति उनके संघर्ष और त्याग, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों को भारत की मुख्यधारा में लाने में उनकी अद्वितीय उपलब्धियां और नागा समुदाय की सांस्कृतिक पहचान को बचाए रखने के उनके अथक प्रयासों के कारण रानी मां गाइडिन्ल्यू को **1981** में प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार, **1983** में बिरसा मुंडा पुरस्कार और **1987** में विवेकानंद सेवा सम्मान से नवाजा गया और वह सही मायने में इसकी हकदार थीं।

रानी मां गाइडिन्ल्यू विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। आज की इन विषम परिस्थितियों में, जब महिलाओं के शोषण की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है, सभी महिलाओं को रानी मां गाइडिन्ल्यू के आदर्शों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है जो अपने बचपन से ही एक आत्मनिर्भर और दृढ़ इच्छा शक्ति की बालिका थीं और जिन्होंने जीवन की सभी विषम परिस्थितियों में निडर होकर काम किया। हम सभी रानी मां की प्रतिबद्धता, उनके दृढ़ निश्चय, समर्पण और लोगों को एकजुट करने के कौशल से सीख लें और ऐसा माहौल बनाएं जिसमें महिलाएं अधिकार और गरिमा के साथ जीवनयापन कर सकें।

एक आध्यात्मिक व्यक्तित्व, राजनेता, समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी के रूप में रानी मां गाइडिन्ल्यू की जन्मशती सभी महिलाओं के हितों का संरक्षण करने और उन्हें बढ़ावा देने तथा उनके अधिकार सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने हेतु संकल्प लेने का एक उचित अवसर है। हाल के वर्षों में महिलाओं के प्रति हिंसा की गंभीर घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है जो कि समाज में गिरते मानव मूल्यों के दुखद पहलू को दर्शाता है। हमारी एक महान महिला नेता की जन्मशती के आयोजन के इस महान अवसर पर महिला सम्मेलन में भाग लेते हुए हमें महिलाओं के लिए अपने समाज को सुरक्षित बनाने का संकल्प लेना चाहिए। महिला होने के नाते हम सबकी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम सभी के लिए और विशेष रूप से महिलाओं और बालिकाओं के लिए एक हिंसामुक्त, न्यायसंगत, भेदभाव रहित और एक समान

माहौल तैयार करें। रानी गाइडिन्ल्यू के बताए हुए रास्ते पर चलते हुए हमें अपने दैनिक जीवन और सामाजिक व्यवहार में अपने स्थानीय मूल्यों को शामिल करने की आवश्यकता है।

हम सभी इस बात से परिचित हैं कि हमारी लगभग आधी जनसंख्या महिलाओं और बालिकाओं की हैं और वे अपने जीवन में प्रतिदिन सामाजिक अभिशाप, भेदभाव, आर्थिक शोषण, सामाजिक उत्पीड़न और हिंसा का सामना करती हैं। हमारी महिला जनसंख्या का एक बड़ा भाग, शारीरिक, बौद्धिक और सामाजिक - आर्थिक विकास हेतु आवश्यक अपने मूलभूत अधिकारों, हकदारियों और अवसरों से वंचित है। महिलाओं का अपने अधिकारों के प्रति जागरूक न होना, व्यापक अशिक्षा, गरीबी और गहरी पैठ बना चुके सामाजिक पूर्वाग्रह इन सभी बुराइयों की जड़ हैं। एक जन प्रतिनिधि होने के नाते मैं इस तथ्य पर बल देना चाहती हूं कि महिलाएं हमारे समाज का एक स्थायी स्तंभ हैं और उनके सहयोग और उनकी अधिकारिता के बिना हम किसी राष्ट्र का विकास नहीं कर सकते। महिलाओं को अधिकार दिए बिना और समाज में उन्हें पूरी तरह शामिल किए बिना हमारे विकास संबंधी सभी प्रयास अधूरे रहेंगे। परन्तु, यह एक कड़वी सच्चाई है कि हमारी आजादी के छः दशकों के बाद भी महिलाएं हमारे समाज का एक सबसे वंचित वर्ग है। राजनैतिक रूप से निर्णय लेने वाले निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत ही कम है और उच्च विकास दर तथा वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति होने के बावजूद विकास का परिणाम और लाभ हमारे देश में महिलाओं के एक बड़े वर्ग तक नहीं पहुंचा है।

अतः, महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए हमें एक ऐसा अनुकूल परिवेश तैयार करना होगा जिसमें महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बन सकें। हमें महिलाओं के ऐसे स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है जो उत्पादनकारी और आय जुटाने वाले विभिन्न कार्यकलापों में भाग ले सकें और विशेष रूप से महिलाओं की आवश्यकताओं और समस्याओं पर ध्यान देते हुए विकास संबंधी पहल कर सकें। इन सभी कार्यों का प्रयोजन महिलाओं को अपने जीवन में आर्थिक और सामाजिक मजबूती प्रदान करना है।

आज हम विश्व में सबसे तेजी से विकसित हो रहीं अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आज हमारी छवि काफी अच्छी है। इसके परिणामस्वरूप महिलाओं को अपनी क्षमता का पूरा उपयोग करने और उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों तथा शोषण से बाहर निकालने के काफी अनुकूल अवसर पैदा हुए हैं। रानी गाइडिन्ल्यू के जन्मशती समारोह के इस पावन अवसर पर मेरा आप सभी से आग्रह है कि आप जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के महान उद्देश्य को बढ़ावा दें।

अपनी बात समाप्त करने से पहले मैं आप सभी का एक बार फिर से धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे इस विशाल महिला सम्मेलन का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान किया। रानी मां के जन्मशती समारोह को सफल बनाने के लिए मैं जेलियंगरोंग हरेका एसोसिएशन और चयन समिति से जुड़े सभी सदस्यों को उनके कठिन परिश्रम और पहल के लिए बधाई देती हूं। मुझे विश्वास है कि रानी गाइडिन्ल्यू के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने और सभी के लिए शांति और समृद्धि कायम करने में आप सभी के प्रयास काफी सार्थक सिद्ध होंगे।

धन्यवाद।